अतिथि व्याख्यान रिपोर्ट – "समय पर अधिकारः व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सफलता हेतु रणनीतियाँ"

दिनांक ***22 अप्रैल 2025*** को **प्रबंधन विभाग**, **अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़** द्वारा MBA एवं BBA के छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक **अतिथि व्याख्यान** का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय था **"समय पर अधिकारः व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सफलता हेतु रणनीतियाँ"।** इस प्रकार के बौद्धिक रूप से समृद्ध व्याख्यान अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में नियमित रूप से **चेयरमैन श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता**, **महासचिव श्री दिनेश गुप्ता**, **कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता**, एवं **विंग-*1* के प्रभारी डॉ. सचिन गर्ग** के मार्गदर्शन में आयोजित किए जाते हैं। सत्र की शुरुआत **डॉ. दीपमाला**, सहायक प्राध्यापक, प्रबंधन विभाग द्वारा **स्वागत भाषण** के साथ हुई। इसके पश्चात **मुख्य अतिथि डॉ. सविता मंचंदा**, एसोसिएट प्रोफेसर, **सरस्वती महिला महाविद्यालय**, **पलवल** का **पुष्प स्वागत डॉ. शिल्पा गोयल**, डीन, प्रबंधन विभाग द्वारा किया गया। **डॉ. मंचंदा**, एक अनुभवी शिक्षाविद एवं प्रेरणादायक वक्ता हैं, जिन्होंने **प्रभावी समय प्रबंधन** से जुड़ी **महत्वपूर्ण जानकारियाँ और व्यावहारिकरण नीतियाँ** छात्रों के साथ साझा कीं। उन्होंने **स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण**, **कार्य प्राथमिकता तय करना**, **टालमटोल से बचना** और **कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखना** जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे समय पर अधिकार पाने से **उत्पादकता में वृद्धि**, **तनाव में कमी**, और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त की जा सकती है।

उनकी **इंटरऐक्टिव शैली** और **वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरणों** ने सत्र को अत्यंत **रोचक**, **प्रेरणादायक और प्रभावशाली** बना दिया, जिससे छात्रगण पूरी तरह से जुड़े रहे। इस व्याख्यान में **प्रबंधन विभाग के *65* छात्रों** ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का **सफल संचालन डॉ. दीप माला एवं सुश्री चित्रा** द्वारा किया गया, जिन्होंने आयोजन को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने में अहम भूमिका निभाई। अंत में, यह अतिथि व्याख्यान छात्रों के लिए **अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणा स्पद** सिद्ध हुआ। इसने न केवल उनके **समय प्रबंधन के दृष्टिकोण को व्यापक** बनाया, बल्कि उन्हें अपने **शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन में समय का प्रभावी उपयोग** करने के लिए **व्यावहारिक उपकरण** भी प्रदान किए।